भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 474
जिसका उत्तर 22 जुलाई, 2026 को दिया जाना है ।
31 आषाढ़, 1948 (शक)

सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला

474. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि केंद्र सरकार देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए संशोधित कार्यक्रम के तहत चिप फैब्रिकेशन, विनिर्माण और डिजाइन तक विस्तारित नए परियोजना लक्ष्यों के साथ सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के अपने प्रयास तेज कर रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) नए रोजगार सृजित करने और नए निवेश प्राप्त करने के लिए निर्धारित या अपेक्षित लक्ष्य का ब्यौरा क्या है; और
(घ) वाणिज्यिक संचालन कब तक आरंभ होने की संभावना है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से निर्देशित होकर और भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करते हुए, सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए लक्षित नीतिगत पहलें की है।

<u>इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भारत की सफलता:</u>

वर्ष 2014 से, भारत सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। इनमें एफडीआई सुधार, कर सुधार, श्रम सुधार, उत्पादन संबंध प्रोत्साहन योजनाएं आदि शामिल हैं।

परिणामस्वरूप, भारत अब प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकोसिस्टम में से एक के रूप में उभरा है जैसा कि नीचे देखा गया है:

#	2014-15	2025-26	टिप्पणियां
इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का उत्पादन (₹)	~1.9 लाख करोड़	~13.11 लाख करोड़	7 गुना वृद्धि
इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का निर्यात (₹)	~38 हजार करोड़	~4.24 लाख करोड़	11 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का उत्पादन (₹)	~18 हजार करोड़	~6.27 लाख करोड़	33 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का निर्यात (₹)	~1500 करोड़	~ 2.59 लाख करोड़	165 गुना वृद्धि

भारत अब देश में निर्यात किए जाने वाले कुल मोबाइल फोन का लगभग 99.2% का विनिर्माण करता है। मोबाइल फोन सबसे बड़े निर्यात किए जाने वाले आइटम के रूप में उभरा है। उद्योग का अनुमान है कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण अब लगभग 25 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम:

सेमीकंडक्टर उद्योग एक मूलभूत उद्योग है। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र जैसे औद्योगिक, उपभोक्ता, रक्षा, दूरसंचार और मोटर वाहन आदि सेमीकंडक्टरों पर निर्भर करते हैं। यह क्षेत्र तकनीकी नवाचार, आर्थिक विकास और रणनीतिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर परिवर्तनकारी लाभ प्रदान करते है।

सेमीकंडक्टर के महत्व को स्वीकार करते हुए, सरकार ने सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब्स सेमीकंडक्टर पैकेजिंग की स्थापना और भारतीय डिजाइन वाले चिप्स को बढ़ावा देने के लिए जनवरी 2022 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत, सरकार ने लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपये की कुल निवेश प्रतिबद्धताओं के साथ 6 राज्यों- आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, पंजाब, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में फैली 12 विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन इकाइयों में फैक्ट्री ऑटोमेशन के स्तर के आधार पर 32,000 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने की क्षमता है। अनुमोदित परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इन 12 परियोजनाओं में से तीन संयंत्रों- माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, केनेस सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड और सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड से वाणिज्यिक उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15.07.2026 को 1.275 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सेमीकॉन 2.0 को भी मंजूरी दी है। इस पहल का उद्देश्य निम्नलिखित छह स्तंभों को कवर करते हुए एक आत्मनिर्भर, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण इकोसिस्टम स्थापित करना है:

	स्तंभ	खंड
1	चिप्स का डिजाइन	रणनीतिक और वाणिज्यिक चिप्स
2	मशीनें और सामग्री	उपकरण, रसायन, गैसें, सामग्री
3	अधिक फैब सेट करना	सिलिकॉन, डिस्प्ले, कंपाउंड आदि।
4	एटीएमपी/ओएसएटी उद्योग को और सुदृढ़ करना	उन्नत और पुराने पैकेजिंग
5	अनुसंधान एवं विकास	उन्नत प्रौद्योगिकियां
6	प्रतिभा विकास	डिजाइन और विनिर्माण प्रतिभा

****